>

Title: Need to redress the grievances relating to pension scheme of teaching and non-teaching staff of Jawahar Navodaya Vidaylayas.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): देश भर के जवाहर नवोदय विद्यालयों के शिक्षक एवं नॉन-टीचिंग स्टाफ के 9 फरवरी, 2013 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से 2 लाख से ज्यादा छात्रों का पठन-पाठन कार्य बाधित है। ये 2 लाख छात्र ग्रामीण इलाकों में रहने वाले किसान, मजदूर एवं ज्यादा अनपढ़ परिवारों के बच्चे हैं, जिनकी देखभाल जवाहर नवोदय विद्यालय के अध्यापक एवं कर्मचारी अपने बच्चों की तरह करते हैं और स्कॉलर बनाने के लिए दिन-रात प्रयास करते हैं और इन्हीं के ऊपर केन्द्र सरकार द्वारा पेंशन स्कीम के बारे में उचित न्याय होता नहीं दिखाई दे रहा है। देश भर में 595 नवोदय विद्यालय हैं इनमें से 470 विद्यालयों के करीब 20 हजार शिक्षक एवं कर्मचारी अपने 22 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलित है। इनमें से उनकी पहली मांग यह है कि सैंट्रल सर्विस पेंशन स्कीम 1972 को 2004 के पहले जो शिक्षक एवं कर्मचारी जवाहर नवोदय विद्यालय की सेवा में हैं, उनके लिए तुंत लागू किया जाना। मैनेजमेंट ऑफ द तिबेटियन स्कूल, नैशन ओपन स्कूल, आई.जी.एन.ओ.यू., एन.सी.ई.आर.टी. और इन जैसे ऑटोनॉमस बॉडिज ने अपने 2004 के पहले कर्मचारियों को सी.सी.एस. पेंशन 1972 लागू किया है। सिर्फ जे.एन.वी. ही केन्द्र सरकार के ऐसे स्कूल है कि पूर्व लगे शिक्षक एवं कर्मचारियों को पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। मेरी सरकार से पुरजोर विनती है कि इस गतिरोध को खत्म करने के लिए और उनकी मांगों पर सही विचार करने के लिए तुंत कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है।